

शिक्षा मंत्रालय की स्टार्स कार्यशाला

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के भोपाल में दो दक्खिनी राज्यों के लिये शिक्षण-अधगिम और परणाम सुदृढीकरण **Strengthening Teaching-Learning and Results for States (STARS/स्टार्स)** ज्ञान साझा कार्यशाला का आयोजन किया।

परिचय:

- कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को भविष्य के कार्यबल की चुनौतियों के लिये तैयार करता है, जो स्कूल-टू-वर्क परिवर्तन एवं मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत करने पर केंद्रित था।

स्कूल-टू-वर्क परिवर्तन

- इसके तहत स्कूल-टू-वर्क बदलाव में [राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020](#), [राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा \(NCF\)](#) और [राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क \(NCFE\)](#) जैसे नीतित्त संरचना की भूमिका पर चर्चा की गई है, जिसमें कौशल विकास शिक्षा का एकीकरण, बहु-वर्षिक शिक्षा और अनुकूलन क्षमता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत बनाना

- इसमें भविष्य की शिक्षा के लिये मूल्यांकन प्रणालियों को मजबूती प्रदान करने और उसके माध्यम से छात्रों के परणाम को बढ़ाने पर एक आकर्षक प्रस्तुति प्रदान की गई है।
- इसके अंतर्गत **कॅरियर विकल्प**, यानी व्यक्तिगत अभिरुचि, माता-पिता का दृष्टिकोण और संभावित अवसरों के लिये '3 पी दृष्टिकोण' पर प्रकाश डाला गया है।

शिक्षण-अधगिम और परणाम सुदृढीकरण (स्टार्स) कार्यक्रम:

- इसे केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम अक्टूबर, 2020 में कैबिनेट द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- स्टार्स कार्यक्रम फरवरी, 2021 से पाँच वर्ष की अवधि के लिये प्रभावी है जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में समाप्त होगा।
- यह **समग्र शिक्षा** का एक घटक है, जो विशेष रूप से कार्यक्रम के उन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है जो सीधे तौर पर स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देते हैं।

और पढ़ें: [भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार](#)